No. of Printed Pages : 6

MVS–012

P. G. DIPLOMA IN VASTUSHASTRA (PGDVS)

Term-End Examination

June, 2025

MVS-012 : GRIHAPINDA VICHAR EVAM GRIHARAMBHA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

***Note** : (i) This question paper is in two Sections.*

(ii) Both Sections are compulsory.

(iii) Answer the questions in accordance with the instructions given in the Sections.

Section—A

***Note** : Answer any **three** of the following questions.* *3×20=60*

1. Describe the auspiciousness of Gramavasa for choosing of land.

2. Describe the usefulness of consulting the Panchanga for Vastu.
3. Elaborate the auspicious results of land on the basis of colour, taste, smell etc.
4. Describe the main components of Pinda-Sadhana in detail.
5. What is the process of constructing Royal palaces in Vastushastra ? Describe in detail.
6. Mention in detail the method for the purification of land.

Section—B

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* *4×10=40*

1. What is the method of Ahibalachakra ? Explain in brief.
2. Describe Vastupada.
3. Elaborate the principles relating to the shapes and types of land.
4. What is the idea of Shalya (Bones) as described in Vastushastra ? Mention.

5. Describe with proof, the determination of Grihapinda.
6. Explain with examples the idea of wood and poles (Kashta and Ishtika) in Vastushastra.
7. What are the various dimensions of the system of Indian Vastukala ? Describe.
8. Describe the Vedha tradition.

MVS–012

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.वी.एस.-012 : गृहपिण्ड विचार एवं गृहारम्भ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$3 \times 20 = 60$

1. भूमि का चयन करने के लिए ग्रामवास के शुभत्व का वर्णन कीजिए।

2. वास्तु में पञ्चांग परिज्ञान की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

3. वर्ण, रस, गन्ध इत्यादि के आधार पर भूमि के शुभ फल का वर्णन कीजिए।

4. पिण्ड-साधन के प्रमुख अवयवों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. वास्तुशास्त्र में राजमहलों के निर्माण की प्रक्रिया क्या है ? विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. भूमि शुद्धि की विधि का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. अहिबलचक्र की क्या विधि है ? संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. वास्तुपद का वर्णन कीजिए।

3. भूमि के आकार एवं प्रकार सम्बन्धी सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

4. वास्तुशास्त्र में शल्यविचार का क्या वर्णन है ? उल्लेख कीजिए।

5. गृहपिण्ड के निर्धारण का प्रमाण सहित वर्णन कीजिए।

6. वास्तुशास्त्र में काष्ठ एवं इष्टिका का क्या विचार है ? उदाहरण के साथ वर्णन कीजिए।

7. भारतीय वास्तुकला प्रणाली के विविध आयाम क्या हैं ? वर्णन कीजिए।

8. वेध परम्परा का वर्णन कीजिए।

× × × × ×